P-998

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-201

काव्यशास्त्र

MA Sanskrit (MASL)

2nd Year Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. मम्मट द्वारा वर्णित काव्य के हेतुओं पर प्रकाश डालिए।

2. मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रजोनजात्।

अन्योर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया।।

सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

3. विस्तृत व्याख्या कीजिए :

'ततदोशौ शब्दार्थौ सगुणावनलंकृती क्वापि'

4. काव्यशास्त्रीय परम्परा का विस्तार से निरूपण कीजिए।

5. अलंकार का स्वरूप बताते हुए, अलंकारों के क्रमिक विकास पर निबन्ध लिखिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. भामह का जीवनवृत्त लिखिए।

2. आनन्दवर्धन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का प्रतिपादन कीजिए।

3. महाकाव्यों में रस का क्या महत्त्व है? संक्षेप में लिखिए।

4. रस के आठ भेदों का उल्लेख करते हुए नौवें रस का वर्णन कीजिए।

5. "संकेतितष्चतुर्भेदो जात्यादिर्जातिरेव वा" सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

6. काव्य प्रयाजनों की समीक्षा कीजिए।

7. काव्य-शास्त्र में मम्मट का अवदान निरूपित कीजिए।

8. समासोक्ति और विशेषोक्ति में अन्तर को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।